ुविक्तः विद्यापीठे व स्नारना अनुवरनप्राप्त अगुरानी - ग वालो प्राप्यान किन्द्रत नंशक्षीतर वर्मवारी शास जी बॉलकाटी पदागर है। बात्यात विदेश शासन रेवती : लेपाचारों बदावरीत कर्तवारी मृच्छितः भिषायों है व संगरिनत महा विषालें गामध्ये विकार विकतिर पदाचर स्व वात्यास एकावी पूर्वाची तेवा तेजा निर्माती वेतना साठी जाटक धरण्याद्याचतः ।

महाराष्ट्र भारतन पोद्यां व रेजायोजन विकास

The forty sina: entitle race / octoo (eee/co) / lafting, कि अब रे-किएर भारत, मुंबर-४०० ०३३, विस्ताद ११ मार्च, १९६३.

पंतान :- र तो नवसन निकास अञ्चल व देवरेयोजन विकास, कुनाक:एकरोसी १०८३/ (cay) with the of the or gol, seen

[न] माराज विल्डेड, क्रिक्टन व क्या प्रोचन विभाग, क्रिकेड एसतीची १४८॥/ [244 1] April - v. To To to at setter, second

[-] उत्तर क्रिक्टा संगाननप्रताये वस कृत्याकः। क्षीतीयम ५७७४/१०/३४९७३/१०० Toma 17 -14 gr, 1981.

Tille Taris :- Stant familiben corder datens accord anneces महाविष्याको मा पोन सिक्ट । सिक्ट व स्थापना व्यक्तर-पानर स्थानन निक्य, स्थापन क्षेत्रस्थान विकास, कु. के अन्ति १२८३/१८६५ मियांकि-ए, विकास २१. वुले १९८३ अन्ति प्रकारिक destall, ulter fone e araclas, seco usus nos usvina and argonare जारका निर्देश हो । वारिकोट विशेष मा महतुर्वापुरुगा अर्वताकारी क्षेत्री मणना बर्ट्सान्स अनुवानकार पा अवस्थित महार विवासके राज्य भारतीयक सिकासके रकार विवास से राज्य करें से साम स्थापक सिका केता गुण्डम द्वारी वाते. ,तद्वार गाला निवाद, व्योक जेल्डीची १५८४/(१५६७)/गुण्य-२, र्वदर्गाक १७ के अपन, १९८६ च्या तरहावी पुरान कृष्यित विकासी के रावधीयों के विकास अल्बेशी महाविद्यालये हामधील प्रशिक्ष्य ह्याता हुएक्यावर वा पदावट काम करणा च्या वर्जवा-वीची वर अम्बद्धम् क्षेत्र अधिक्याल्याताश्चाम्बद्धः वर ववाचर मिनुवर्गाः विस्तवन स्त्री अतेन, तर त्याचा वृत्यार कियाची ठावकित कृतिकामी ठाउट अने या असासकाय मत्राविषालवातीत अधिकत्वातात्रात्रात्राच्यापकृत्या वदावरीत तेवा विद्वारीवेतनासाठी आस्य धरकी जाते.

ात- ' उपराच्या' बाब नधात देला कृष्मार कुँग्वापीठे व स्थापेशी लेशान्या अलेखी अनुवासकृतका अवस्तिक महाविक्तलचे बीचील क्षेत्रकाती कार्क्ट्स कवितरी भारताएक चित्रांत्रीकेल बोचना लाह अलेल्बा अंकत्पार है ग्रीतिय बदावर कु आल्यास हिंदा श्वतनसम्बद्धाः विश्वविक्रितः योजाः तर्नु अभेन्द्रण् जीवस्थाती पदायरीत क्रांवरसी, कृतिहर इंदेक्सप्रतिके व उत्तरिमी के विस्त अकेल्या अनुगोलपुराष्ट्र आस्त्राती व यता विद्यालगामधील ोजस्थानी बार्स्सर हेन् आस्थान कियों पृथीकी लेखा विद्युत्तीवेतनाभागी प्राप्त धरण्या-बाह्यकर दिवस विकास किया स्थान स्थान

a: (शोग) जाता असा आदेश देन बादे थी, ब्राइंशर विवासीय व अवहानग्रापत अमारकीय रेज नन भटा निमानयापून निमृता होणा-मा क्षेत्रका विद्यालय व्योग-नीनी सिंद्रमं जूर सोटा अच-५८८(१२००-८-१३)

कार्त अंतरकार कार्य कर कर किया पर असे नह आगारि केशानि को भरायां है। कार्य कार्य कार्य केशानिक के कार्य कार्य के कार्य कार्य के कार्य कार्य कार्य के कार्य कार्य के कार्य कार्य कार्य के कार्य कार्य के कार्य कार्

्रा क्या करणाच्या अस्त्रीत जनवारण पर्य गा व्यावनी कृतीत हुन्य "२०७१ निवृतियोः-तेत्री व्यावन केला एक स्तार नामिन्छल न्यक्त आगाध्यित विद्या सेल्ये स्था वर्णना-पान्य विद्यागानक निव्यापति कृत अनुवासक विद्या स्थान व्यावनी विद्यानी विद्यानी वर्णना

्या आपूर्ण कर्मा क्रिकेट के प्रति क्रिकेट विकास क्षेत्रक क्ष्मित क्षेत्रक क्ष्मित क्षमित क्

का राष्ट्राचे राज्याम निर्मा आरोग्जनार व नावाचे.

ni v er berd.

503,

PURSCE PROFILE